Shri Raghavendra Hridrogaharana Stotram

श्रीराघवेन्द्रहृद्रोगहरणस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Shri Raghavendra Hridrogaharana Stotram

File name : rAghavendrahRRidrogaharaNastotram.itx

Category : deities_misc, gurudev, stotra, aShTaka

Location : doc_deities_misc

Author : Krishna Avadhutapandita Vedavyasacharya

Proofread by : Gopalakrishnan, PSA Easwaran

Description/comments : from Raghavendra Tantram

Latest update : December 18, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 18, 2021

sanskritdocuments.org

Shri Raghavendra Hridrogaharana Stotram

श्रीराघवेन्द्रहृद्रोगहरणस्तोत्रम्

श्रीरामे गुणधामनि विनिहित चित्तप्रभो दयापूर्ण ।
गुरुराडुदारभाव त्वं हर हृद्रोगमतितूर्णम् ॥ १॥

राजीवाक्षीकाङ्क्षापूरण सन्तापसन्तताभ्यस्तम् ।
चेतो मे गुरुराज त्वं हर हृद्रोगमतितूर्णम् ॥ २॥

घोराशाभिधभूताविष्टं भृशमस्थिरं सदा भ्रमति ।
चेतो मे गुरुराज त्वं हर हृद्रोगमततूर्णम् ॥ ३॥

वेदपुराणसुमार्गानुज्झित्वा दुष्टनीचमार्गचरम् ।
चेतो मे गुरुराज त्वं हर हृद्रोगमतितूर्णम् ॥ ४॥

द्रागिष्टार्थदमीशमलब्ध्वान्यानुपास्य बहुखिन्नम् ।
चेतो मे गुरुराज त्वं हर हृद्रोगमतितूर्णम् ॥ ५॥

यत्नात् कापुरुषाधिकसेवाविधिनापि नाप काम्यार्थम् ।
चेतो मे गुरुराज त्वं हर हृद्रोगमतितूर्णम् ॥ ६॥

नर्तेत्वद्भुवि कञ्चन जानीतेऽन्यं कलौ सुरद्रुसमम् ।
चेतो मे गुरुराज त्वं हर हृद्रोगमतितूर्णम् ॥ ७॥

महिमानं तव भूयः श्रुत्वा त्वत्पादपङ्कजं प्राप्तम् ।
चेतो मे गुरुराज त्वं हर हृद्रोगमतितूर्णम् ॥ ८॥

कृष्णावधूतरचितं पथ्योपेतं मनोरोगहरम् ।
स्तोत्रं मे पठतां त्वं संहर हृद्रोगमतितूर्णम् ॥ ९॥

इति श्रीकृष्णावधूतविरचिते श्रीराघवेन्द्रतन्त्रे नवमपटले
हृद्रोगहरणस्तोत्रं नाम षष्ठोऽध्यायः सम्पूर्णः ।

Proofread by Gopalakrishnan, PSA Easwaran

Shri Raghavendra Hridrogaharana Stotram

pdf was typeset on December 18, 2021

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*